Gujarat University Syllabus for UG (According to NEP 2020)			
Syllabus Prepared by: **Name of Board of Studies**: Sanskrit			
Syllabus Implementation Month & Year: 2025-26			
Course Category	AEC/SEC/VAC	**Semester**	6
Course Title	AEC SEC	**Course Credit**	02 02
Course Code	365 366	**Medium of Instruction (Can be more than one)**	English/ Gujarati/ Hindi etc.
For the programme/ Discipline	B.A.	**Total Marks**	50
For External Students	Yes/No-B.A.	**For External Students(Medium of instruction) is offered**	English/ Gujarati/ Hindi etc.

End Semester Examination							
	Teaching Hours	**Category (AEC/ SEC/ VAC)**	**Credit**	**Internal Marks**	**External Marks**	**Practical/ Viva Marks**	**Total Marks**

	30	AEC	02	25	25	-	50
	30	SEC	02	25	25	-	50

Course Objectives:

Course Outcomes:

Syllabus (In all the languages in which MOI (Medium of Instruction) is offered):

Modes of Evaluation:

1. Continuous and Comprehensive Evaluation (CCE) - Formative

2. Semester End Evaluation (SEE) - Summative

Structure of question paper for Semester End Examination

Name & Signature of BOS Chairmen/Convenor: Dr. Hetal M Pandya

Date: 16/10/2025

Place: Ahmedabad

Paper No.	Course Category	Course Title	Credit	IM	EM	Marks
Paper 365	AEC	AEC सुभाषित	02	25	25	50

Objectives	• छात्रों को विस्तृत ज्ञान के सारभूत अमृत वचनों का बोध होगा। • छात्रों को सुभाषितों द्वारा जीवनमूल्यों का बोध और जीवन में परिपक्वता आयेगी। • छात्रों को गूढ़ विषयों का ज्ञान सरलोपाय से प्राप्त होगा ।	
	Unit -1	परोपकार, विद्या
Unit	Unit - 2	पुरुषार्थ, सज्जन पुरुष
Learning Outcomes	• विद्यार्थी नैतिकता, साहस, सहनशीलता, मित्रता, सत्य आदि मूल्यो को समझेंगे और उन्हे जीवन मे अपनाने का प्रयास करेंगे। • संस्कृत भाषा की कहावतो के माध्यम से भाषा की सुन्दरता और अभिव्यक्ति शक्ति का विकास होगा। • कहावतो के अनुवाद और व्याख्या की कला मे विद्यार्थी निपुण बनेंगे। • भारतीय संस्कृति और प्राचीन विचारो की समझ विकसित होगी। • संक्षिप्त किन्तु गहन अर्थ वाली कहावतो को पढ़कर विद्यार्थी गहन चिंतन करना सीखेंगे। • विद्यार्थियो को यह पता चलेगा कि कहावते आज के समय मे भी कितनी प्रासंगिक हैं।	

1. સુભાષિતાઃ :- ચૌખંબા પ્રકાશન, વારાણસી
2. सुभाषितानां भाषा संस्कृतम् - संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
3. सुभाषितसम्पुट - भारतीय विद्या भवन, बेंग्लोर
4. સુભાષિતો - સંકલન : પ્રા. અંબાલાલ પ્રજાપતિ, પાર્શ્વ પ્રકાશન, અમદાવાદ
5. सुभाषितरत्नभाण्डागारम्, नारायण राम आचार्य काव्यतीर्थ, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, १९९८

विद्या

1. विद्या ददाति विनय.....
2. नास्ति विद्यासमो बन्धुः....
3. सुखार्थी वा त्यजेत्.....
4. काकचेष्टा बको ध्यान ....
5. न चोरहार्यं न च राजहार्यं....
6. विद्या नाम नरस्य रूपमधिक....

परोपकार

1. रविश्चन्द्रो घना वृक्षाः....
2. गोभिः विप्रैश्च वेदैश्च...
3. अष्टादश पुराणेषु.....
4. अय निजः परो वेति....
5. परोपकाराय फलन्ति.....
6. श्रोत्र श्रुतेनैव न कुण्डलेन....

पुरुषार्थ

1. उद्यमेन हि सिध्यन्ति.....
2. यथा ह्येकेन चक्रेण....
3. योजनाना सहस्र तु....
4. पौरुष नो हल ज्ञेय....
5. उद्योगिन पुरुषसिहमुपैति.....
6. प्रयत्नेन वीराः समुद्र...

सज्जन पुरुष

1. यथा चित्त तथा वाच .....
2. चन्दन शीतल लोके.....
3. उदिते सविता ताम्रः....
4. महाजनस्य ससर्गः ....
5. विद्या विवादाय.....
6. जाड्य धियो हरति.....